Gupta Dynasty

- The Gupta Dynasty ruled the mid-to-late 3rd century (approximately) to 543 AD. Founded by Sri Gupta, the dynasty rose to fame with rulers like Chandragupta-I, Samudragupta, etc.

सबसे ज्यादा शक्तिशाली

- गुप्त राजवंश ने तीसरी शताब्दी के मध्य से लेकर लगभग 543 ईस्वी तक शासन किया। श्री गुप्त द्वारा स्थापित, यह राजवंश चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त आदि शासकों के साथ प्रसिद्धि में आया।

Gupta

240 AD – 550 AD

610 → 712 AD

The Golden Age of India

Origin of Gupta Dynasty / गुप्त वंश की उत्पत्ति

- The Gupta Empire rose to prominence in 320 AD and spread to large parts of northern India, central and small parts of southern India. / गुप्त साम्राज्य 320 ईस्वी में प्रमुखता से उभरा और इसने उत्तरी भारत के बड़े भाग, मध्य भारत तथा दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों तक विस्तार किया।
- The founder of the Gupta dynasty is Sri Gupta. / गुप्त वंश के संस्थापक श्रीगुप्त थे।
- The original homeland of the Guptas is not known for certain. But they might have originated from Bengal. Some scholars think they are from Prayaga (Allahabad in UP). / गुप्तों का मूल निवास निश्चित रूप से ज्ञात नहीं है। माना जाता है कि वे बंगाल से उत्पन्न हुए। कुछ विद्वान उन्हें प्रयाग (उत्तर प्रदेश का इलाहाबाद) से मानते हैं।
- They are thought to be either Brahmins or Vaishyas./ उन्हें ब्राह्मण या वैश्य माना जाता है।
- Son of Sri Gupta was Ghatotkacha, Took the title of 'Maharaja'/ श्रीगुप्त का पुत्र घटोत्कच था, जिसने 'महाराजा' की उपाधि धारण की।

Origin of Gupta Dynasty / गुप्त वंश की उत्पत्ति

According to some historians : Guptas were/ कुछ इतिहासकारों के अनुसार : गुप्त थे

- Vaisya – Romilla Thapar / Ramsharan Sharma/ रो मला थापर/रामशरण शर्मा
- Kshtriya – R C Majumdar / आरसी मजूमदार
- Brahman – Hemchandra Rai Chaudhary/ हेमचंद्र राय चौधरी
- Sudra - Kashiprasad Jaiswal/ काशीप्रसाद जायसवाल

Gupta Dynasty = Golden Age
स्वर्ण युग

We know from / हमें जानकारी मिलती है ?

- Contemporary literary works like the Devichandraguptam and the Mudhrakshasam written by Visakadatta provide information regarding the rise of the Guptas. / विशाखदत्त द्वारा रचित देवीचंद्रगुप्तम और मुद्राराक्षसम जैसे समकालीन साहित्यिक ग्रंथ गुप्तों के उदय की जानकारी देते हैं।

- The Chinese traveler Fahien, who visited India during the reign of Chandragupta II, has left a valuable account of the social, economic and religious conditions of the Gupta empire./ चीनी यात्री फाह्यान, जो चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में भारत आए थे, ने गुप्त साम्राज्य की सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक दशा का मूल्यवान विवरण छोड़ा।

SriGupta (founder - संस्थापक)
↓
Ghatotkacha सफल
↓
ChandraGupt I सबसे ज्यादा सीमा बढ़ाई
↓
SamudraGupt सबसे शक्तिशाली → Gold Coins
↓
ChandraGupt II
↓
KumarGupt → नालंदा विश्वविद्यालय
↓
SKandGupt → VishnuGupt → last Ruler

We know from / हमें जानकारी मिलती है ?

- Apart from these literary sources, there are inscriptions like the Meherauli Iron Pillar Inscription and the Allahabad Pillar inscription. / इन साहित्यिक स्रोतों के अलावा, मेहरौली लौह स्तंभ शिलालेख और इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख जैसे अभिलेख भी उपलब्ध हैं।

- The coins issued by Gupta kings contain legends and figures. These coins provide interesting details about the titles and sacrifices performed by the Gupta monarchs. / गुप्त राजाओं द्वारा जारी सिक्कों पर लेख और चित्र अंकित हैं। ये सिक्के गुप्त सम्राटों की उपाधियों और किए गए यज्ञों की जानकारी देते हैं।

Sri Gupta (240-280)

- The founder of the Gupta dynasty was Sri Gupta. / गुप्त वंश के संस्थापक श्रीगुप्त थे।
- He was succeeded by Ghatotkacha. / उनके उत्तराधिकारी घटोत्कच बने।
- These two were called Maharajas./ इन्हें 'महाराजा' कहा जाता था।

Chandragupta I (320-330 A.D.)

- Chandragupta was a powerful Gupta ruler who had waged many battles to attain his title of 'Maharajadhiraja'. / चंद्रगुप्त एक शक्तिशाली गुप्त शासक थे, जिन्होंने 'महाराजाधिराज' की उपाधि प्राप्त करने के लिए अनेक युद्ध किए।
- He married a Lichhavi princess Kumardevi, which began the eminence of the Gupta empire. / उन्होंने लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया, जिससे गुप्त साम्राज्य की प्रतिष्ठा प्रारम्भ हुई।
- The Mehrauli iron pillar inscriptions has mention of his extensive conquests. / मेहरौली लौह स्तंभ शिलालेख में उनके व्यापक विजयों का उल्लेख है।
- He is considered as the real founder of the Gupta era. / उन्हें गुप्त संवत का संस्थापक माना जाता है।

Samudragupta (330-380 A.D.)

- He is also known as "Indian Napoleon". He was the greatest of the rulers of Gupta dynasty. / उन्हें "भारतीय नेपोलियन" भी कहा जाता है। वे गुप्त वंश के सबसे महान शासक थे।
- The Allahabad Pillar inscription contains details of his military conquest./ इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख में उनके सैन्य विजयों का विवरण मिलता है।
- He also performed Ashwamedha sacrifices after his military victories./ उन्होंने अपनी सैन्य विजयों के बाद अश्वमेध यज्ञ भी किए।

Samudragupta (330-380 A.D.)

- His greatest achievement was political unification of India as a formidable force. / उनका सबसे बड़ा योगदान भारत का राजनीतिक एकीकरण था।

- A Chinese source tells that, the ruler of Sri Lanka, Meghvarman sought permission of Samudragupta to build a Buddhist temple at Bodh Gaya. / एक चीनी स्रोत से ज्ञात होता है कि श्रीलंका के राजा मेघवर्मन ने बोधगया में बौद्ध मंदिर निर्माण की अनुमति समुद्रगुप्त से मांगी थी।

Samudragupta (330-380 A.D.)

- Samudragupta was called by different names, one of them was 'Kaviraja' because of his ability to compose verses. Certain coins show him with a Veena./ समुद्रगुप्त को अनेक उपाधियाँ दी गईं। उनमें से एक थी 'कविराज', क्योंकि वे कविता रचने में दक्ष थे। कुछ सिक्कों पर उन्हें वीणा बजाते हुए दर्शाया गया है।

- Samudragupta was a follower of Vaishnavism. However, he also patronised the great Buddhist scholar Vasubandhu. / समुद्रगुप्त वैष्णव धर्म के अनुयायी थे, किंतु उन्होंने महान बौद्ध विद्वान वसुबंधु का भी संरक्षण किया।

Samudragupta (330-380 A.D.)

Prayag Prashasti inscription:/ प्रयाग प्रशस्ति शलालेख

- **Initially it was in Kaushambi , later King Akbar brought it to Allahabad (Prayagraj).**
- शुरू में यह कौशाम्बी में था, बाद में राजा अकबर इसे इलाहाबाद (प्रयागराज) ले आए।
- **Harisen was considered to be the author of this inscription/** हरिसे को इस शलालेख का लेखक माना जाता था

Samudragupta 6 Gold Coins / समुद्रगुप्त के 6 स्वर्ण सिक्के

- Garunadhvaja / गरुड़ध्वज
- Archer Type / धनुर्धारी प्रकार
- Battle Axe / युद्ध-कुल्हाड़ी
- Tiger Slayer / व्याघ्रवधक
- Ashvamedha / अश्वमेध
- Lutanist / वीणावादक

History PDF → English
→ Hindi

Telegram : Varunawasthi GS

Question

Q1. Consider the following statements about the Megalithic people of South India:/ दक्षिण भारत के मेगालिथिक लोगों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. They used iron tools and weapons./ उन्होंने लौह उपकरणों और हथियारों का उपयोग किया।
2. They were aware of agriculture and cattle rearing./ वे कृषि और पशुपालन से परिचित थे।
3. Their burials reflect belief in life after death./ उनके समाधि स्थल मृत्यु के बाद जीवन में विश्वास को दर्शाते हैं।

A. 1 and 2 only / केवल 1 और 2

B. 1 and 3 only / केवल 1 और 3

C. 2 and 3 only / केवल 2 और 3

D. 1, 2, and 3 / 1, 2, और 3

[TNPSC Group II – 2021]

पत्थर पर निर्भर

SOLUTION

Correct Answer is 1, 2, and 3

- The Megalithic people of South India belonged to the Iron Age./ दक्षिण भारत के महापाषाण लोग लौह युग के थे।
- They used iron tools and weapons./ वे लोहे के औज़ारों और हथियारों का इस्तेमाल करते थे।
- Archaeological evidence indicates that these people were engaged in agriculture and cattle rearing./ पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि ये लोग कृषि और पशुपालन में लगे हुए थे।
- The most distinctive feature of the Megalithic culture is their burial practices using large stones (Megaliths), such as dolmens and cist burials./ महापाषाण संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषता बड़े पत्थरों (मेगालिथ) का उपयोग करके की जाने वाली उनकी दफ़नाने की प्रथाएँ हैं, जैसे डोलमेन और सिस्ट दफ़नाने।

SOLUTION

- These burials contained everyday objects, pottery, weapons, and ornaments placed alongside the deceased, reflecting a strong belief in life after death. / इन दफ़नाने में मृतक के साथ रोज़मर्रा की वस्तुएँ, मिट्टी के बर्तन, हथियार और आभूषण रखे जाते थे, जो मृत्यु के बाद जीवन में दृढ़ विश्वास को दर्शाते हैं।

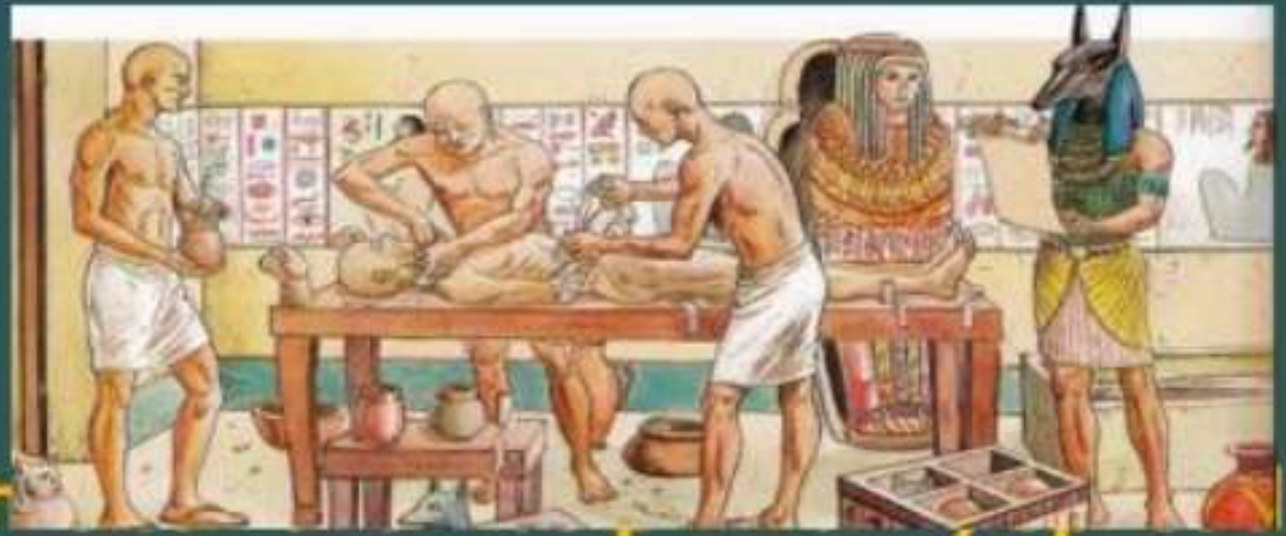

- The Megalith [illegible] across the South Indian peninsula (Tamil Nadu, Kerala, Andhra Pradesh, Karnataka) and Northeast India./ महापाषाण संस्कृति मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय प्रायद्वीप (तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक) और पूर्वोत्तर भारत में फैली हुई थी।

SOLUTION

- Excavations at these sites have yielded distinctive Black and Red Ware pottery. / इन स्थलों पर उत्खनन से विशिष्ट काले और लाल मृदभांड के बर्तन प्राप्त हुए हैं।
- Adichanallur is a major Megalithic site in Tamil Nadu. / आदिचनल्लूर तमिलनाडु का एक प्रमुख महापाषाण स्थल है।

Burial Types/ दफ़नाने के प्रकार

- Cairn circles (stone circles)/ केर्न सर्कल (पत्थर के घेरे)
- Dolmens (three upright stones with a capstone)/ डोलमेन्स (एक कैपस्टोन के साथ तीन सीधे पत्थर)
- Cist burials (stone boxes under the ground)/ सिस्ट दफ़नाने (ज़मीन के नीचे पत्थर के बक्से)
- Menhirs (standing stones)/ मेनहिर (खड़े पत्थर)
- Sarcophagus and urn burials/ ताबूत और कलश दफ़नाने

???? QUESTION

Q2. Consider the following statements:/ निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. The First Sangam was held at Madurai and was attended by gods and sages./ पहला संघम मदुरै में हुआ था और इसमें देवता एवं ऋषि शामिल हुए थे।

2. The Second Sangam was held at Kapatapuram and was presided over by Agastya./ दूसरा संघम कपाटपुरम में हुआ था जिसकी अध्यक्षता अगस्त्य ने की थी।

3. The Third Sangam was held at Madurai and produced works such as Tolkappiyam. तीसरा संघम मदुरै में हुआ था, जिसमें तोलकाप्पियम जैसी रचनाएँ हुईं।

[TNPSC Group-I Prelims 2022]

A. 1 and 3 only / केवल 1 और 3

B. 2 and 3 only / केवल 2 और 3

C. 1, 2, and 3 / 1, 2, और 3

D. 3 only / केवल 3

SOLUTION

Correct Answer is 1, 2, and 3

- The Sangam Age is considered the golden era of Tamil literature. / संगम युग को तमिल साहित्य का स्वर्ण युग माना जाता है।
- According to Tamil tradition, there were three Sangams (academies)./ तमिल परंपरा के अनुसार, तीन संगम (अकादमियाँ) थे।
- The First Sangam was held in ancient Madurai./ पहला संगम प्राचीन मदुरै में आयोजित हुआ था।
- It was attended by gods and sages. / इसमें देवताओं और ऋषियों ने भाग लिया था।
- It was lost to the sea. / यह समुद्र में विलीन हो गया।

SOLUTION

- **The Second Sangam was held at Kapatapuram and was presided over by the sage Agastya./ दूसरा संगम कपाटपुरम में आयोजित हुआ था और इसकी अध्यक्षता ऋषि अगस्त्य ने की थी।**
- **The Third Sangam was held in modern Madurai, lasting 1850 years, and produced significant works like the Tolkappiyam, the oldest surviving Tamil grammar text./ तीसरा संगम आधुनिक मदुरै में आयोजित हुआ, जो 1850 वर्षों तक चला और इसने तोल्काप्पियम जैसी महत्वपूर्ण कृतियों का निर्माण किया, जो सबसे पुराना जीवित तमिल व्याकरण ग्रंथ है।**

Question

Q4. In the context of the history of India, consider the following pairs:/ भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. Eripatti — Land, revenue from which was set apart for the maintenance of the village tank./ एरिपट्टी — वह भूमि जिसकी आय गाँव के तालाब के रख-रखाव के लिए अलग रखी जाती थी।
2. Taniyurs — Villages donated to a single Brahmin or a group of Brahmins./ तनियूर — एक ब्राह्मण या ब्राह्मणों के समूह को दान में दिए गए गाँव।
3. Ghatikas — Colleges generally attached to the temples./ घाटिकाएँ — मंदिरों से संबंधित शिक्षण संस्थान।

A. 1 and 2 / 1 और 2

B. 3 only / केवल 3

C. 2 and 3 / 2 और 3

D. 1 and 3 / 1 और 3

[I.A.S. Pre 2016]

SOLUTION

Correct Answer is 1 and 3

- Eripatti was a significant land revenue system in South India, particularly during the Chola period. / एरीपट्टी दक्षिण भारत में, विशेष रूप से चोल काल में, एक महत्वपूर्ण भू-राजस्व प्रणाली थी।
- It referred to land whose revenue was specifically earmarked for the maintenance and repair of the village tank (Eri)./ यह उस भूमि को संदर्भित करती थी जिसका राजस्व विशेष रूप से गाँव के तालाब (एरी) के रखरखाव और मरम्मत के लिए निर्धारित किया जाता था।
- Ghatikas were centers of higher learning in ancient and early medieval South India, often attached to major temples./ घटिका प्राचीन और प्रारंभिक मध्ययुगीन दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा के केंद्र थे, जो अक्सर प्रमुख मंदिरों से जुड़े होते थे
- Taniyurs were large revenue units or districts in the Chola administration, comprising a group of villages./ तनियुर चोल प्रशासन में बड़ी राजस्व इकाइयाँ या जिले थे, जिनमें गांवों का एक समूह शामिल था।
- Villages granted to Brahmins as donations were known as Brahmadeya or Agrahara. / ब्राह्मणों को दान के रूप में दिए गए गांवों को ब्रह्मदेय या अग्रहार के नाम से जाना जाता था।

SOLUTION

Important Terms in Chola Administration
चोल प्रशासन में महत्वपूर्ण शब्द

1. Eripatti – Land for maintenance of village tanks.
एरिपट्टी – गाँव के तालाबों के रखरखाव हेतु भूमि।

2. Devadana / Shalabhoga – Land gifted to temples.
देवदान / शालभोग – मंदिरों को दान में दी गई भूमि।

3. Brahmadeya – Land gifted to Brahmins.
ब्रह्मदेय – ब्राह्मणों को दान में दी गई भूमि।

4. Vellanvagai – Land owned by non-Brahmin peasant proprietors.
वेल्लनवगै – गैर-ब्राह्मण कृषकों की स्वामित्व भूमि।

5. Pallichchandam – Land donated to Jain institutions.
पल्लीच्छंदम – जैन संस्थानों को दान की गई भूमि।

6. Taniyur – Village or group of villages given as tax-free grants.
तनियूर – कर-मुक्त दान में दिए गए गाँव या ग्राम समूह।

7. Mangalam – Revenue-free land granted to individuals or institutions.
मंगलम – व्यक्तियों या संस्थाओं को दी गई कर-मुक्त भूमि।

SOLUTION

8. Vetti – Unpaid labour (forced service or corvée).
वेट्टि – बिना वेतन का श्रम (बाध्यकारी सेवा)।
9. Ur – Assembly of common villagers (non-Brahmins).
ऊर – सामान्य ग्रामीणों (गैर-ब्राह्मणों) की ग्रामसभा।
10. Sabha / Mahasabha – Assembly of Brahmins in Brahmadeya villages.
सभा / महासभा – ब्राह्मण ग्रामों (ब्रह्मदेय) की सभा।
11. Nagaram – Assembly of traders and merchants.
नगरम – व्यापारियों की सभा या संगठन।
12. Nadu – Group of villages forming an administrative unit.
नाडु – कई गाँवों का प्रशासनिक समूह।
13. Kudavolai System – Method of electing local officials by lot.
कुडवोलै प्रणाली – स्थानीय अधिकारियों के चयन की लॉटरी प्रणाली।

Question

Q5. The Muttaraiyar held power in the Kaveri delta. They were subordinate to the Pallava kings of —
मुट्टारैयरों ने कावेरी डेल्टा में सत्ता संभाली थी। वे किन पल्लव राजाओं के अधीन थे?

A. Kanchipuram / कांचीपुरम
B. Thanjavur / तजावुर
C. Arikamedu / अरिकमेडु
D. Makotai / माकोतै

[SSC GD 2022]

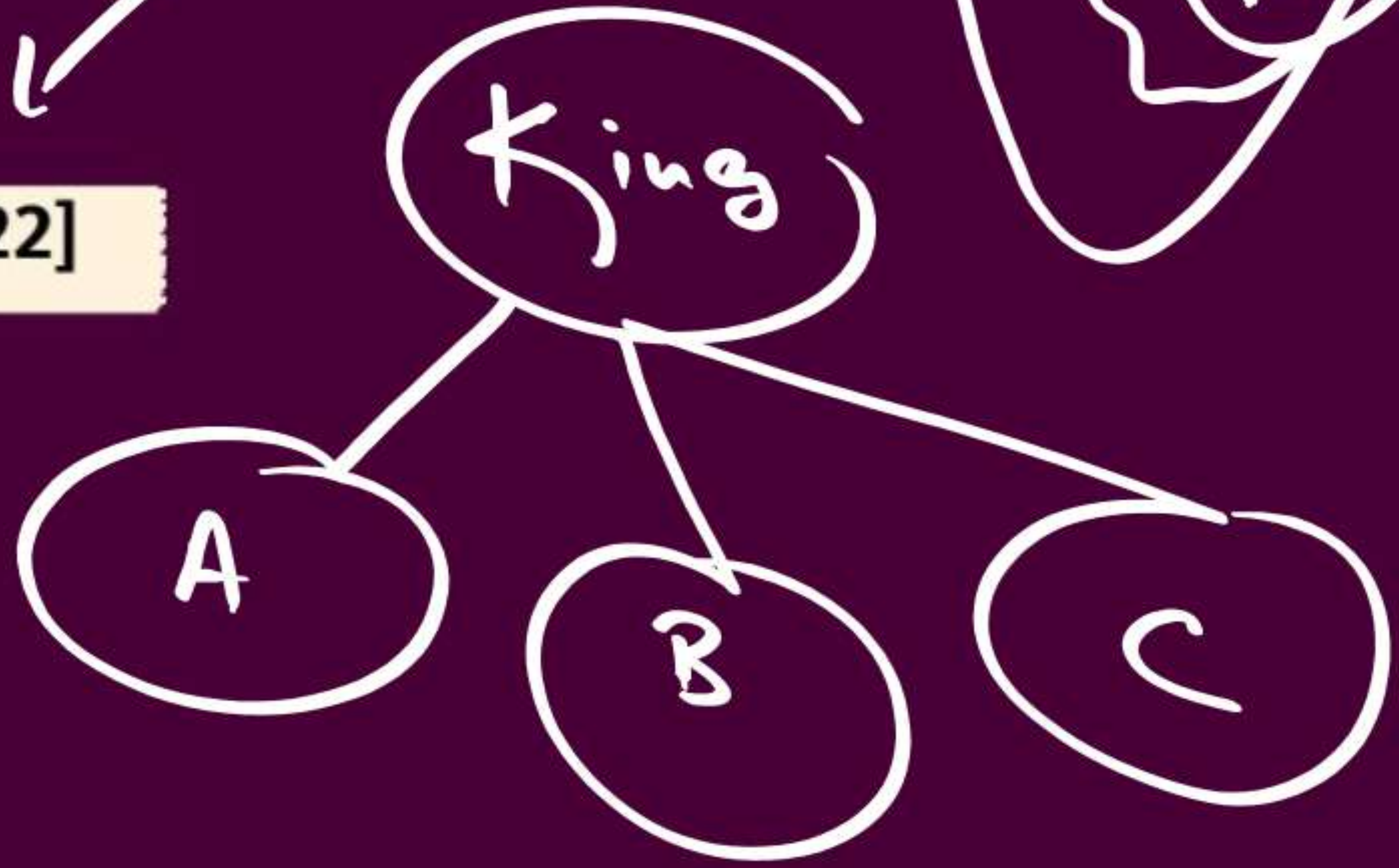

SOLUTION

Correct Answer is Kanchipuram

- The Muttaraiyar were a significant chieftain dynasty who held power in the Kaveri delta region during the reign of the Pallava Empire. / मुत्तरैयार एक महत्वपूर्ण सरदार वंश था जिसने पल्लव साम्राज्य के शासनकाल के दौरान कावेरी डेल्टा क्षेत्र में सत्ता संभाली थी।
- The Muttaraiyars served as feudatories or 'Mahasamantas' under the Pallavas, / मुत्तरैयार पल्लवों के अधीन सामंत या 'महासामंत' के रूप में कार्य करते थे।
- Historical inscriptions, such as the Veluppalli copper plates, confirm this relationship. / वेलुपल्ली ताम्रपत्र जैसे ऐतिहासिक शिलालेख इस संबंध की पुष्टि करते हैं।

PALLAVAS

1. Origin/ उत्पत्ति

• Early capital (प्रारंभिक राजधानी) : Kanchi (Kanchipuram).

• Ruled mainly over northern Tamil Nadu and southern Andhra Pradesh./ मुख्य रूप से उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश पर शासन किया।

Important Rulers/ महत्वपूर्ण शासक

Simhavishnu (575–600 CE) –

- Founded the Pallava dynasty's supremacy in South India./ दक्षिण भारत में पल्लव वंश की सर्वोच्चता की स्थापना की।
- He took the Title of "Avanisimha" – meaning Lion among Men./ उन्होंने "अवनिसिंह" की उपाधि धारण की - जिसका अर्थ है पुरुषों में सिंह।
- He built 'Adi Varah Temple' in Mammallapuram./ उन्होंने मम्मल्लापुरम में 'आदि वराह मंदिर' का निर्माण कराया।

Mahendravarman I (600–630 CE) –

- Wrote Mattavilasa Prahasana (Sanskrit play)./ मत्तविलास प्रहसन (संस्कृत नाटक) की रचना की।

Narasimhavarman I (630–668 CE) –

- Title: Maha Mamalla, Vatapikonda./ उपाधि: महा मामल्ल, वातापीकोंडा।
- Defeated Pulakesin II (Chalukya) and captured Vatapi./ पुलकेशिन द्वितीय (चालुक्य) को पराजित किया और वातापी पर अधिकार कर लिया।

Narasimhavarman II

- Title: Rajasimha./ उपाधि: राजसिंह।
- He built 'shore temple' in Mahabalipuram./ उन्होंने महाबलीपुरम में 'तट मंदिर' का निर्माण कराया।
- He also built 'Kailashnath (Rajsidheshwar) Temple in Kanchipuram./ उन्होंने कांचीपुरम में 'कैलाशनाथ (राजसिद्धेश्वर) मंदिर' का भी निर्माण कराया।
- Dandi who wrote 'Daskumar charita' is in the court of Narshimhavarman II./ 'दशकुमार चरित' लिखने वाले दंडी नरसिंहवर्मन द्वितीय के दरबार में थे।

QUESTION

Q6. During the reign of which of the following Pallavas, Hiuen Tsang visited the Pallava capital Kanchi?
निम्नलिखित में से किस पल्लव शासक के शासनकाल में ह्वेनसांग ने पल्लव राजधानी कांची का दौरा किया था?

[SSC MTS 2022]

A. Simhavarman I / सिंहवर्मन I
B. Narasimhavarman II / नरसिंहवर्मन II
C. Mahendravarman II / महेन्द्रवर्मन II
D. Narasimhavarman I / नरसिंहवर्मन I

Correct Answer is Narasimhavarman I / नरसिंहवर्मन I

- Hiuen Tsang visited the Pallava capital Kanchi during the reign of Narasimhavarman I./ नरसिंहवर्मन प्रथम के शासनकाल के दौरान ह्वेन त्सांग ने पल्लवों की राजधानी कांची का दौरा किया।
- Narasimhavarman I defeated the Chalukya king Pulakeshin II and assumed the title 'Vatapikonda' (Conqueror of Vatapi)./ नरसिंहवर्मन प्रथम ने चालुक्य राजा पुलकेशिन द्वितीय को पराजित किया और 'वातापीकोंडा' (वातापी का विजेता) की उपाधि धारण की।
- Narasimhavarman I built the Ratha Temples at Mahabalipuram. / नरसिंहवर्मन प्रथम ने महाबलीपुरम में रथ मंदिरों का निर्माण कराया।

QUESTION

Q7. During the Sangam period in the Tamil region, landless laborers, which included slaves, were known as —

संगम काल के दौरान तमिल क्षेत्र में भूमिहीन मजदूरों, जिनमें दास भी शामिल थे, को क्या कहा जाता था?

A. Kadasiyar and Ujhawar / कदासियर और उज्हावर
B. Kadasiyar and Adimai / कदासियर और अदिमाई
C. Vellalar and Adimai / वेल्लालर और अदिमाई
D. None of these/ इनमे से कोई नहीं

[SSC GD 2022]

SOLUTION

Correct Answer is Kadasiyar and Adimai

- During the Sangam period, Tamil society was structured around five major Thinais (landscapes), each with its own socio-economic hierarchy. / संगम काल के दौरान, तमिल समाज पाँच प्रमुख थिनै (भूदृश्य) क्षेत्रों में विभाजित था, जिनमें से प्रत्येक का अपना सामाजिक-आर्थिक पदानुक्रम था।
- These five thinais were / ये पाँच थिनै थे:

1. Kurinji - hilly regions / कुरिंजी - पहाड़ी क्षेत्र
2. Mullai - pastoral tracts / मुल्लई - पशुचारण क्षेत्र
3. Marutham - agricultural land/ मरुथम - कृषि भूमि
4. Neithal - coastal area/ नीथल - तटीय क्षेत्र
5. Palai - arid lands/ पलाई - शुष्क भूमि

Question

Q9. The last Chalukyan King, defeated by the Rashtrakuta King Dantidurga, was —
राष्ट्रकूट राजा दंतिदुर्ग द्वारा पराजित अंतिम चालुक्य शासक कौन था?

[SSC MTS 2024]

A. Vikramaditya II / विक्रमादित्य II
B. Pulakesin II / पुलकेशिन II
C. Kirtivarman II / कीर्तिवर्मन II
D. Vikramaditya I / विक्रमादित्य I

founder → Dantidurg

SOLUTION

Correct Answer is Kirtivarman II

CHALUKYA DYNASTY (6th – 12th Century CE)

Origin / उत्पत्ति

- Originated from the Kannada region of Badami (Vatapi) in modern Karnataka. / आधुनिक कर्नाटक के बादामी (वातापी) के कन्नड़ क्षेत्र से उत्पन्न।
- Established a strong empire in Deccan./ दक्कन में एक मजबूत साम्राज्य की स्थापना की।
- Divided into three branches/ तीन शाखाओं में विभाजित:

1. Early Chalukyas (Badami) / प्रारंभिक चालुक्य (बादामी)
2. Western Chalukyas (Kalyani) / पश्चिमी चालुक्य (कल्याणी)
3. Eastern Chalukyas (Vengi)/ पूर्वी चालुक्य (वेंगी)

Brahmaputra
UJAINI
Ujjain
PATLIPUTRA
VANGA
MAGADHA
Narmada
Tamralipti
TRA
Mahanadi
BHOJAKAS
Tapti
Toshali
PITINKAS
Kopasi
Godavari
KALINGA
ARABIAN
SEA
BAY
OF
BENGAL
ANDHRA
Krishna
Suvarnagiri
Chalukyas Dynasty
Major City
Current Country
Boundaries
PULINDAS
SATYAPUTRAS
Kaveri
CHOLA

Question

Q10. Who among the following Pallava kings occupied Vatapi (Badami) and defeated the Chalukyas?
निम्नलिखित में से किस पल्लव राजा ने वातापी (बदामी) पर अधिकार किया और चालुक्यों को पराजित किया?

[SSC CGL 2024]

A. Sivaskanda Varman / शिवस्कंदवर्मन
B. Parameswaravarman / परमेश्वरवर्मन
C. Simhavarman / सिंहवर्मन
D. Narasimhavarman I / नरसिंहवर्मन I

SOLUTION

Correct Answer is Narasimhavarman I

- The Pallava king Narasimhavarman achieved a major military victory against the Chalukyas. / पल्लव राजा नरसिंहवर्मन ने चालुक्यों के विरुद्ध एक बड़ी सैन्य विजय प्राप्त की।
- He defeated the Chalukya ruler Pulakeshin II, who was killed in the battle./ उन्होंने चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय को पराजित किया, जो युद्ध में मारा गया।
- Following this victory, Narasimhavarman captured the Chalukya capital, Vatapi (modern Badami, Karnataka). / इस विजय के बाद, नरसिंहवर्मन ने चालुक्यों की राजधानी, वातापी (आधुनिक बादामी, कर्नाटक) पर अधिकार कर लिया।
- For this achievement, he earned the title 'Vatapikonda' (Conqueror of Vatapi). / इस उपलब्धि के लिए, उन्हें 'वातापीकोंडा' (वातापी का विजेता) की उपाधि मिली।
- This event is a significant episode in the history of the Pallava-Chalukya conflicts in South India and marks the zenith of Pallava power./ यह घटना दक्षिण भारत में पल्लव-चालुक्य संघर्ष के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है और पल्लव शक्ति के चरमोत्कर्ष का प्रतीक है।

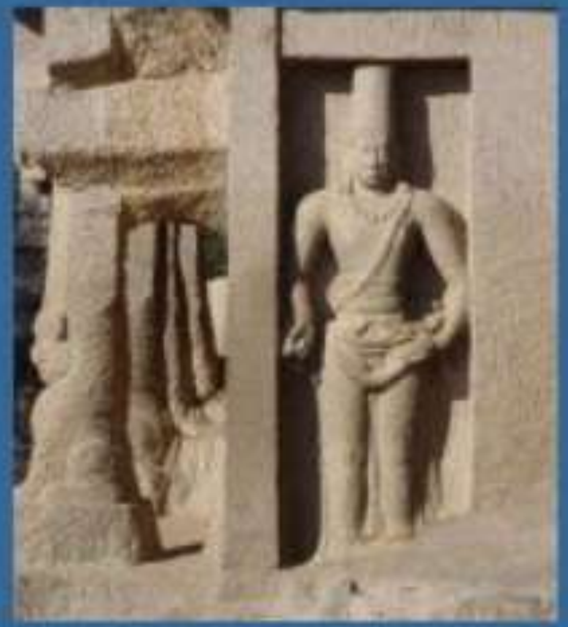

Question

Q11. In the early eleventh century, the Chola king Rajendra I built a Shiva temple and filled it with a Sun-pedestal seized from the —

ग्यारहवीं शताब्दी के प्रारंभ में चोल राजा राजेन्द्र प्रथम ने एक शिव मंदिर का निर्माण किया और उसमें सूर्यासन किससे प्राप्त कर स्थापित किया?

[SSC CGL 2022]

A. Palas / पाल

B. Vakatakas / वाकाटक

C. Chalukyas / चालुक्य

D. Kalingas / कलिंग

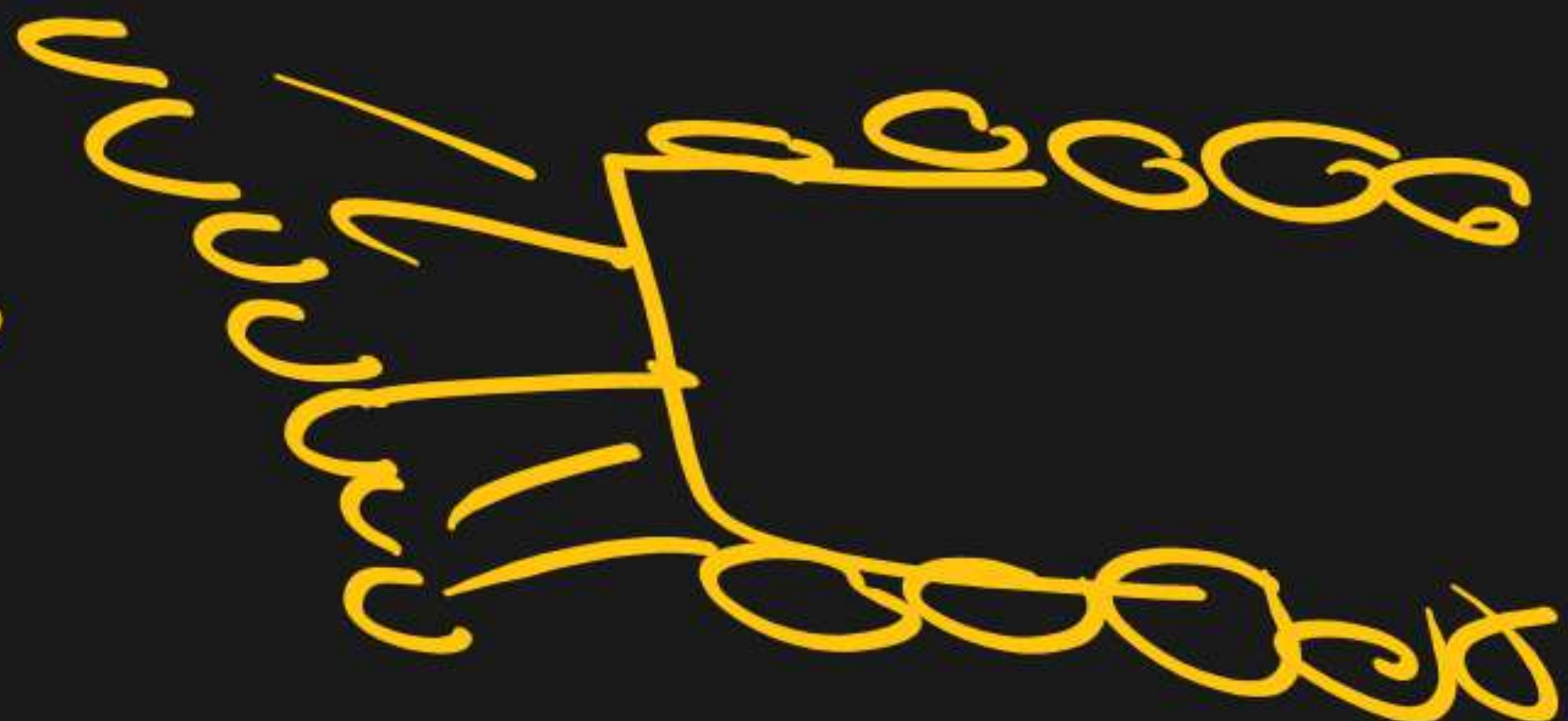

SOLUTION

Correct Answer is Chalukyas / चालुक्य

- In commemoration of his victory in North India, Rajendra I built Gangaikonda Chozhapuram on the model of Brihadisvarar temple in Thanjavur. / उत्तर भारत में अपनी विजय की स्मृति में, राजेंद्र प्रथम ने तंजावुर के बृहदीश्वर मंदिर के मॉडल पर गंगईकोंडा चोझापुरम का निर्माण कराया।
- He brought sacred Ganga water and the Sun-pedestal from conquered regions (including Chalukya territories) to sanctify the temple. / उन्होंने मंदिर को पवित्र करने के लिए विजित क्षेत्रों (चालुक्य क्षेत्रों सहित) से पवित्र गंगा जल और सूर्य-पीठ मँगवाई।
- Rajarajisvaram or Brihadishvarar Temple of Thanjavur built by the Chola emperor Rajaraja I. / तंजावुर का राजराजेश्वरम या बृहदीश्वर मंदिर चोल सम्राट राजराज प्रथम द्वारा निर्मित।
- Darasuram Temple, built by Rajaraja II (1146–1172), is yet another important contribution of the Cholas to temple architecture./ राजराज द्वितीय (1146-1172) द्वारा निर्मित दारासुरम मंदिर, मंदिर वास्तुकला में चोलों का एक और महत्वपूर्ण योगदान है।

Question

Q12. Ravana Phadi cave and Durga Temple at Aihole portray the architectural style of which dynasty?
ऐहोले की रावण फड़ी गुफा और दुर्गा मंदिर किस वंश की स्थापत्य शैली को दर्शाते हैं?

[SSC CPO 2023]

A. Vijayanagara / विजयनगर
B. Chalukya / चालुक्य
C. Hoysala / होयसाल
D. Pallava / पल्लव

SOLUTION

Correct Answer is Chalukya

- The Ravana Phadi cave and the Durga Temple at Aihole exemplify the architectural style of the Chalukya dynasty./ ऐहोल स्थित रावण फाड़ी गुफा और दुर्गा मंदिर चालुक्य वंश की स्थापत्य शैली के उदाहरण हैं।
- Aihole, often called the 'Cradle of Indian Temple Architecture', was an early capital of the Chalukyas. / ऐहोल, जिसे अक्सर 'भारतीय मंदिर वास्तुकला का उद्गम स्थल' कहा जाता है, चालुक्यों की प्रारंभिक राजधानी थी।
- The Ravana Phadi cave (6th century CE) is a rock-cut Shaiva temple showcasing early Chalukyan architectural features. / रावण फाड़ी गुफा (छठी शताब्दी ई.) एक चट्टान-निर्मित शैव मंदिर है जो प्रारंभिक चालुक्य स्थापत्य कला की विशेषताओं को दर्शाता है।

- The Durga Temple (7th-8th century CE) is an apsidal Vishnu temple with a curved sanctum resembling a Buddhist chaitya. / दुर्गा मंदिर (7वीं-8वीं शताब्दी ई.) एक अर्धवृत्ताकार विष्णु मंदिर है जिसका गर्भगृह बौद्ध चैत्य जैसा दिखता है।
- It stands on a raised platform in the form of semi-circle./ यह अर्धवृत्ताकार एक ऊँचे चबूतरे पर स्थित है।
- These monuments represent the nascent stage of the 'Vesara style', which evolved under Chalukyan patronage, demonstrating a unique synthesis of Northern Indian 'Nagara' and Southern Indian 'Dravidian' architectural traditions./ ये स्मारक 'वेसर शैली' के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो चालुक्य संरक्षण में विकसित हुई और उत्तरी भारतीय 'नागर' और दक्षिणी भारतीय 'द्रविड़' स्थापत्य परंपराओं के अद्वितीय संश्लेषण को प्रदर्शित करती है।

Question

Q13. The lofty gates erected in the courtyard of the temples in South India were called —
दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रांगण में बनाए गए ऊँचे द्वारों को क्या कहा जाता था?

[SSC CHSL 2023]

A. Mandap / मंडप
B. Ardhmandap / अर्धमंडप
C. Vimana / विमान
D. Gopuram / गोपुरम

SOLUTION

Correct Answer is Gopuram

- The lofty and monumental gateway towers erected at the entrance of temple courtyards in South India are called Gopurams. / दक्षिण भारत में मंदिर प्रांगणों के प्रवेश द्वार पर बने ऊँचे और विशाल प्रवेशद्वारों को गोपुरम कहा जाता है।
- They are a distinctive feature of the Dravidian style of temple architecture. / ये मंदिर वास्तुकला की द्रविड़ शैली की एक विशिष्ट विशेषता हैं।
- Gopurams were highly ornate, often covered with intricate carvings of deities, mythological narratives, and geometric patterns. / गोपुरम अत्यधिक अलंकृत होते थे, जिन पर अक्सर देवताओं, पौराणिक कथाओं और ज्यामितीय आकृतियों की जटिल नक्काशी की जाती थी।
- Their height signified the importance of the temple./ इनकी ऊँचाई मंदिर के महत्व को दर्शाती थी।

SOLUTION

- The main architectural unit of the temple, housing the sanctum sanctorum (garbhagriha), is called the Vimana. / मंदिर की मुख्य स्थापत्य इकाई, जिसमें गर्भगृह स्थित है, विमान कहलाती है।
- A Mandap is a pillared hall or pavilion used for gatherings./ मंडप एक स्तंभयुक्त हॉल या मंडप होता है जिसका उपयोग सभाओं के लिए किया जाता है।
- An Ardhamandap is a smaller mandapa or antechamber preceding the sanctum. / अर्धमंडप गर्भगृह से पहले स्थित एक छोटा मंडप या पूर्व कक्ष होता है।

- The Brihadeeswarar Temple at Thanjavur, built by Chola emperor Rajaraja I, is a UNESCO World Heritage Site and a prime example, known for its massive vimana./ चोल सम्राट राजराज प्रथम द्वारा निर्मित तंजावुर स्थित बृहदेश्वर मंदिर, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और अपने विशाल विमान के लिए जाना जाने वाला एक प्रमुख उदाहरण है।

varunawasthiGS
History
Saturday
Origin of
Islam
THANK
YOU